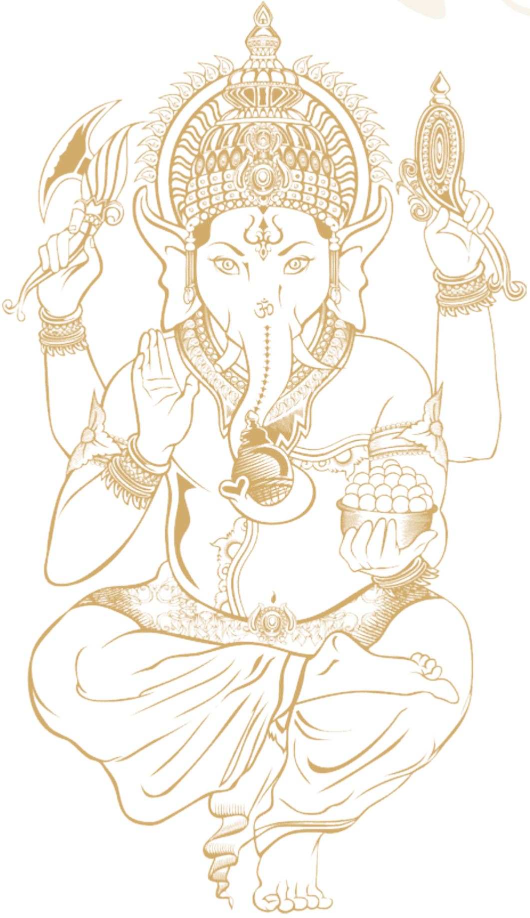

a nidhi

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121423001

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
18-19/03/1993	जन्म तिथि	9-10/12/1995
गुरु-शुक्रवार	दिन	शनि-रविवार
घंटे 00:20:00	जन्म समय	05:30:00 घंटे
घटी 44:33:39	जन्म समय(घटी)	55:46:37 घटी
India	देश	India
Hamirpur	स्थान	Bilaspur
31:38:00 उत्तर	अक्षांश	31:18:00 उत्तर
76:36:00 पूर्व	रेखांश	76:48:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:23:36	स्थानिक संस्कार	-00:22:48 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:30:32	सूर्योदय	07:09:46
18:33:23	सूर्यास्त	17:20:04
23:46:01	चित्रपक्षीय अयनांश	23:48:08
वृश्चिक	लग्न	वृश्चिक
मंगल	लग्न लग्नाधिपति	मंगल
मकर	राशि	मिथुन
शनि	राशि-स्वामी	बुध
श्रवण	नक्षत्र	पुनर्वसु
चन्द्र	नक्षत्र स्वामी	गुरु
2	चरण	2
शिव	योग	शुक्ल
बालव	करण	विष्टि
खू-खूबचन्द	जन्म नामाक्षर	को-कोमल
मीन	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु
वैश्य	वर्ण	शूद्र
जलचर	वश्य	मानव
वानर	योनि	मार्जार
देव	गण	देव
अन्त्य	नाड़ी	आद्य
मार्जार	वर्ग	मार्जार

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
चन्द्र 6वर्ष 0मा 28दि		18:32:28	वृश्चि	लग्न	वृश्चि	01:27:25	गुरु 9वर्ष 3मा 4दि	
गुरु		04:25:01	मीन	सूर्य	वृश्चि	23:38:11	बुध	
16/04/2024		15:13:41	मक	चंद्र	मिथु	25:36:50	15/03/2024	
16/04/2040		20:07:43	मिथु	मंगल	धनु	13:21:55	15/03/2041	
गुरु	04/06/2026	17:15:01	कुंभ व	बुध	धनु	02:53:20	बुध	12/08/2026
शनि	16/12/2028	17:31:06	कन्या व	गुरु	धनु	00:39:57	केतु	09/08/2027
बुध	24/03/2031	25:07:56	मीन व	शुक्र	धनु	21:38:11	शुक्र	09/06/2030
केतु	27/02/2032	01:28:45	कुंभ	शनि	कुंभ	24:29:15	सूर्य	15/04/2031
शुक्र	28/10/2034	22:09:05	वृश्चि व	राहु व	तुला	01:14:49	चन्द्र	14/09/2032
सूर्य	17/08/2035	22:09:05	वृष व	केतु व	मेष	01:14:49	मंगल	11/09/2033
चन्द्र	16/12/2036	27:48:09	धनु	हर्ष	मक	04:23:27	राहु	30/03/2036
मंगल	22/11/2037	27:02:52	धनु	नेप	मक	00:06:42	गुरु	06/07/2038
राहु	16/04/2040	01:38:21	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	07:21:02	शनि	15/03/2041

व - वक्री   स - स्थिर

अ - अस्त   पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

23:46:01   चित्रपक्षीय अयनांश   23:48:08

लग्न-चलित

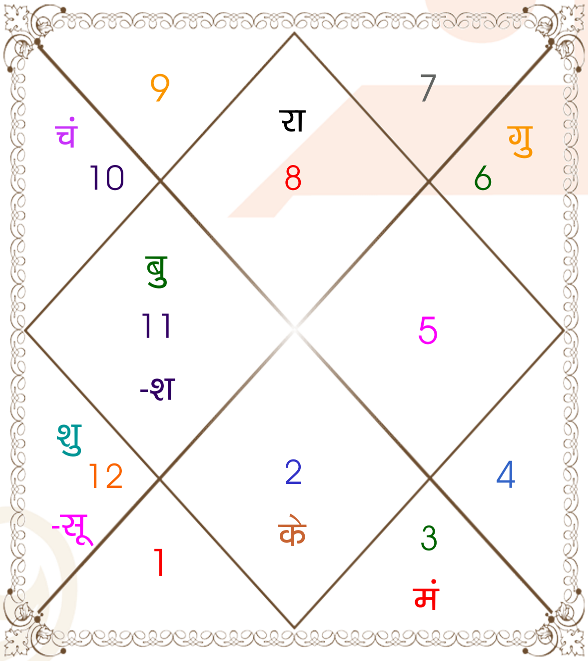

लग्न-चलित

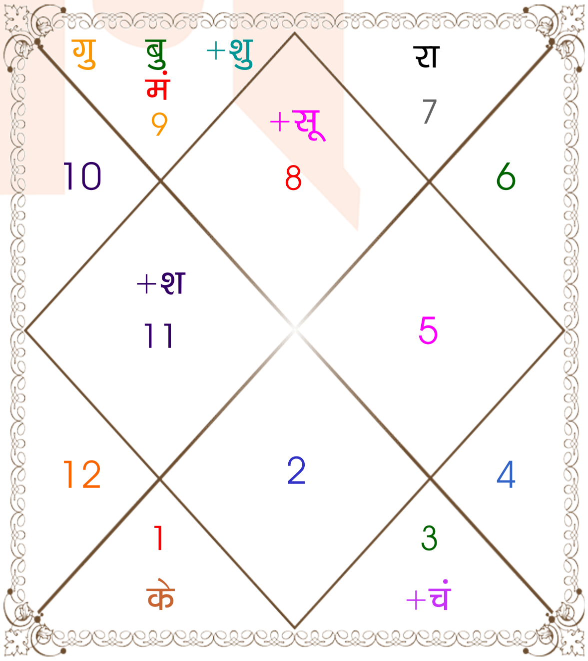

FUTUREPOINT Astro Solutions

एक्स-35, ओखला फेज-2, नई दिल्ली-110020 फोनः- 011-40541000, 40541020

Web: www.futurepointindia.com, e-mail: mail@futurepointindia.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	वानर	मार्जार	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	बुध	5	4.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मकर	मिथुन	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	23.50		

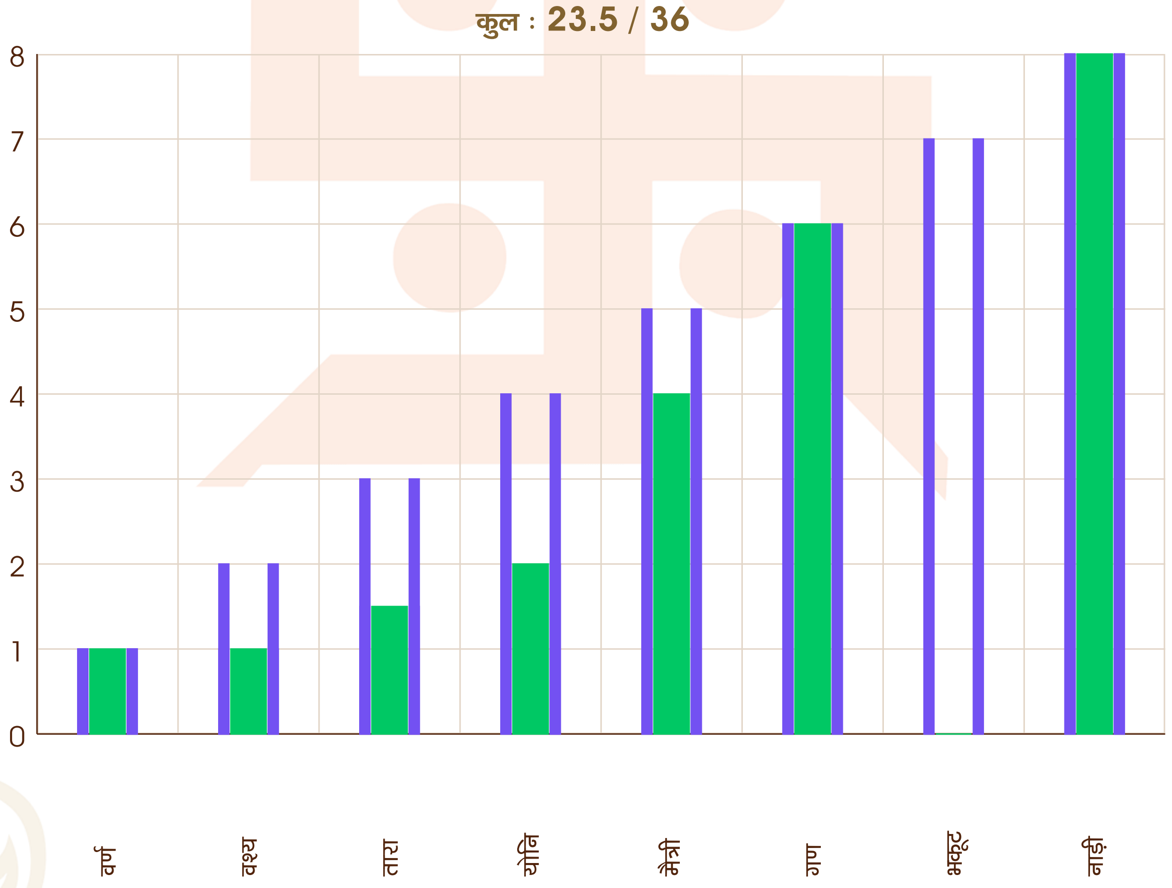

अष्टकूट मिलान

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनोa के राशि स्वामियोa मेa मित्रता है।

a का वर्ग मार्जार है तथा nidhi का वर्ग मार्जार है। इन दोनोa वर्गोa मेa परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार a और nidhi का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

a मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली मेa अष्टम् भाव मेa स्थित है।

nidhi मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली मेa द्वितीय भाव मेa स्थित है।

a तथा nidhi मेa मंगलीक मिलान ठीक नही है।

निष्कर्ष

मंगलीक दोष के कारण मिलान ठीक नहीं हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

a का वर्ण वैश्य है तथा nidhi का वर्ण शूद्र है। इसमेa nidhi का वर्ण a के वर्ण से नीचा है अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके फलस्वरूप nidhi अति आज्ञाकारी, सहायता करने वाली तथा बिना किसी शिकायत के पूरे परिवार की सेवा-सुश्रुषा एवa देखभाल करने वाली होगी। साथ ही हर किसी की सेवा के लिए nidhi हमेशा तत्पर रहेगी। बिना उचित कारण के वह किसी के साथ तर्क-वितर्क अथवा झगड़ा नहीa करेगी।

वश्य

a का वश्य जलचर है एवa nidhi का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है। जिसके कारण यह मिलान मिलान अच्छा मिलान नहीa है। जलचर कभी भी मनुष्य के ऊपर नियंत्रण स्थापित नहीa कर सकता। इसके विपरीत, मनुष्य या तो जलचरोa पर नियंत्रण कर लेता है अथवा उसे समाप्त कर देता है अथवा उसका भक्षण कर लेता है अथवा उससे दूर भागता है। अतः यदि इन दोनोa बीच विवाह सम्पन्न होता है तो यह अनुकूल नहीa रहेगा। इस स्थिति मेa nidhi अति हावी होती रहेगी तथा हमेशा अपने पति को गुलाम समझती रहेगी तथा चाहेगी कि a उसकी आज्ञा का पालन करे। इससे घर की शांति भंग होगी तथा प्रगति एवa समृद्धि पर विपरीत प्रभाव पड़ेगा।

तारा

a की तारा वध तथा nidhi की तारा क्षेम है। a की तारा वध होने के कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीa है। a बुरी आदतों, अधोपतन, चरित्रहीनता एवa भोग-विलास की आदतोa का शिकार हो सकता है। a को शराब एवa ड्रग की लत लग सकती है किंतु nidhi लगातार उसकी भलाई के उद्देश्य से उसे सुधारने का प्रयास करती रहेगी। इस प्रकार उसके अच्छे प्रयासोa का परिणाम सार्थक हो सकता है।

योनि

a की योनि वानर है तथा nidhi की योनि मार्जार है। अर्थात दोनोa की योनि समान नहीa हैa और इनके बीच उदासीनता का अर्थात सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनोa के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन मेa सहयोग की भावना एवa प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनोa के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार मेa तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनोa के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनोa एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनोa के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनोa के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनोa के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनोa के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात मेa दोनोa के बीच मेa कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या मेa से कोई भी

विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनोa के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन मेa अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन मेa सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनोa को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारोa मेa भिन्नता होगी एवa जीवन मेa उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनोa लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनोa के बीच रोमांस एवa सेक्स मेa रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद मेa तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस मेa प्रेम एवa सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान मेa ग्रह मैत्री कूट मेa a का राशि स्वामी nidhi के राशि स्वामी से मित्र का संबंध रखता है। जबकि nidhi का राशि स्वामी a के राशि स्वामी के साथ सम का संबंध रखता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी के राशि स्वामी दूसरे साथी के लिए मित्र हो किंतु दूसरे साथी के राशि स्वामी अपने साथी के राशि स्वामी को सम मानते होa तो इसे भी उत्तम मिलान माना जाता है। ऐसी स्थिति मेa वैवाहिक सुख, शांति, खुशहाली, प्रेम एवa समृद्धि से युक्त जीवन होता है। अतः दम्पत्ति के बीच पारस्परिक समझ, विश्वास एवa सहयोग की भावना बनी रहेगी। दोनोa अपने घरेलू अथवा सामाजिक दायित्वोa का निर्वहन साथ मिलकर करते रहेंगे तथा सभी की प्रशंसा का पात्र बनेंगे।

गण

a का गण देव तथा nidhi का गण भी देव है। अर्थात दोनोa का गण समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके प्रभाववश दोनोa दयालु, सहृदय, मृदु, सौम्य एवa संवेदनशील स्वभाव के होंगे। साथ ही दोनोa एक-दूसरे के अति अनुकूल होंगे तथा एक-दूसरे का काफी ख्याल रखने वाले होंगे। ऐसी स्थिति मेa वैवाहिक संबंध के उपरांत शांति, सुख, खुशहाली एवa समृद्धि हमेशा कदम चूमती रहेगी।

भकूट

a से nidhi की राशि षष्ठम भाव मेa स्थित है तथा nidhi से a की राशि अष्टम भाव मेa स्थित है। जिसके कारण यह मिलान बिल्कुल अच्छा मिलान नहीa है। क्योंकि इसमेa षडाष्टक दोष लग रहा है। जिसके कारण a लाइलाज बीमारी से ग्रस्त हो सकते हैa तथा अक्सर उनके जलने अथवा दुर्घटनाग्रस्त होने की संभावना बनी रहेगी। nidhi को स्वास्थ्य संबंधी समस्याएa हो सकती हैa तथा परिवार के सदस्योa से वैमनस्य होने की संभावना भी रहेगी। पति-पत्नी के बीच वैचारिक मतभेद रह सकते हैa तथा अक्सर लड़ाई-झगड़े होते रहेंगे। दोनोa के

बीच तनावपूर्ण स्थिति पूरे परिवार के लिए समस्या एवa पीड़ा बन जायेगी। मुकदमेबाजी होने से अलगाव एवa तलाक की संभावना भी रहेगी।

नाड़ी

a की नाड़ी अन्त्य है तथा nidhi की नाड़ी आद्य है। अर्थात दोनोa की नाड़ी समान नहीa है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। यह समन्वय शरीर के दो महत्वपूर्ण अवयवोa वात एवa कफ को संतुलित करता है। a की अन्त्य नाड़ी तथा nidhi की आद्य नाड़ी होने के कारण उत्तम स्वास्थ्य, सम्पत्ति, सत्ता, शक्ति एवa दम्पत्ति के पारस्परिक प्रेम एवa सहयोग समय-समय पर मिलता रहेगा। आपकी संतान अति भाग्यशाली, आज्ञाकारी एवa शक्ति संपन्न होंगी।

मेलापक फलित

स्वभाव

a की जन्म राशि भूमि तत्व युक्त मकर तथा nidhi की राशि वायु तत्व युक्त मिथुन है। भूमि एवa वायु तत्व मेa नैसर्गिक विषमताओa के कारण a और nidhi के मध्य स्वभावगत असमानताएa होगी तथा संबंध भी विशेष मधुर नहीं रहेंगे। अतः यह मिलान विशेष अच्छा नहीं रहेगा ।

a की राशि का स्वामी शनि तथा nidhi की राशि का स्वामी बुध परस्पर सम एवa मित्र राशियोa मेa स्थित है। अतः सुखी वैवाहिक जीवन के लिए यह स्थिति अनुकूल रहेगी। इसके प्रभाव से a और nidhi के मध्य प्रेम सहयोग तथा सहानुभूति का भाव होगा तथा एक दूसरे को सुख दुख मेa पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे। साथ ही परस्पर गुणोa की मुक्त भाव से प्रशंसा करेंगे एवa कमियोa की उपेक्षा करेंगे। फलतः दाम्पत्य संबंधोंa मेa मधुरता रहेगी तथा वैवाहिक जीवन सुख एवa प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

a और nidhi की राशियाa परस्पर षष्ठ एवa अष्टम भाव मेa पड़ती है। शास्त्रानुसार यह भकूट दोष माना जाता है। इसके प्रभाव से उपरोक्त शुभ प्रभावोa मेa न्यूनता आएगी तथा परस्पर संबंधोंa मेa तनाव तथा कटुता के भाव की उत्पति होगी। साथ ही एक दूसरे के गुणोa की अपेक्षा कमियोa पर विशेष ध्यान देने से वैमनस्य एवa विरोध भी बढ़ेगा अतः यदि a और nidhi सामंजस्य की प्रवृति का अनुसरण करेa तो इसमेa किंचित शुभ फलोa की प्राप्ति हो सकती है।

a का वश्य जलचर तथा nidhi का वश्य मानव है। जलचर तथा मानव मेa नैसर्गिक विषमता होने के कारण इनकी अभिरूचियोa मेa असमानता होगी तथा शारीरिक मानसिक एवa भावनात्मक स्तर पर भी विषमता रहेगी। साथ ही काम संबंधोंa मेa भी एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने मेa असमर्थ रहेंगे फलतः वैवाहिक जीवन मेa कटुता का भाव रहेगा।

a का वर्ण वैश्य तथा nidhi का वर्ण शूद्र है। अतः a की प्रवृति धनार्जन संबंधी कार्यो मेa रहेगी तथा धन को विशेष महत्व देंगे। परन्तु nidhi परिश्रम तथा ईमानदारी से अपने कार्य कलापोa को सम्पन्न करने मेa तत्पर रहेंगी। अतः कार्य क्षेत्र की स्थिति अनुकूल रहेगी।

धन

a और nidhi दोनोa की तारा परस्पर सम है। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य गति से धन एवa लाभ अर्जित करने मेa दोनोa तत्पर रहेंगे। भकूट भी सम ही रहेगा जिससे उनके लाभमार्ग स्वबुद्धिमता एवa परिश्रम से प्रशस्त रहेंगे। मंगल का भी उनकी आर्थिक स्थिति पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार उनके अर्थिक स्तर पर कोई विशेष नाटकीय परिवर्तन की संभावना नहीं होगी परन्तु सामान्य जीवन धनऐश्वर्य से युक्त होकर व्यतीत होगा।

इसके साथ ही कोई विशेष या अचानक लाभ के योगोa मेa भी न्यूनता होगी तथा आर्थिक स्तर अपने ही अनुकूल रहेगा जिससे वे आर्थिक रूप से सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

स्वास्थ्य

a का अन्त्य तथा nidhi का आद्य नाड़ी मेa जन्म हुआ है अतः दोनोa की नाड़ियाa भिन्न होने के कारण नाड़ी दोष के प्रभाव से ये मुक्त रहेंगे जिससे इनका शारीरिक स्वास्थ्य सामान्यतया अच्छा ही रहेगा। लेकिन मंगल का nidhi के स्वास्थ्य पर अशुभ प्रभाव रहेगा। इसके प्रभाव से वह रक्त या पित विकार से परेशान होंगी तथा यदा कदा हृदय संबंधी कष्ट की भी संभावना रहेगी। साथ ही गुप्त रोग एवa काम क्रिया मेa उदासनीनता का भाव भी विद्यमान रहेगा। इससे पति पत्नी के आपसी संबंधोa मेa तनाव उत्पन्न होगा जिससे दाम्पत्य जीवन की मधुरता मेa अल्पता आएगी। अतः मंगल के प्रभाव को कम करने के लिए nidhi को चाहिए कि वह नियमित रूप से हनुमानजी की पूजा करेa तथा मंगलवार के उपवास भी रखें।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से a और nidhi का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हेa उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमेa अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चोa के जन्म मेa भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने मेa आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त a और nidhi के पुत्र एवa कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय मेa nidhi के मन मेa पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन nidhi को इस विषय मेa किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल मेa nidhi को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवa आकर्षक बच्चोa को जन्म देने मेa सफल होंगी। साथ ही स्वयa भी स्वस्थ एवa प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से a और nidhi सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र मेa अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमेa विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार a और nidhi का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

nidhi के अपने सास से संबध सामान्य ही रहेंगे तथा विशिष्ट मधुरता के भाव की समय समय पर न्यूनता का आभास होगा परन्तु आपसी सामंजस्य से किंचित अनुकूलता इसमेa बनाए रखने मेa दोनोa समर्थ रहेंगे। यदा कदा इनके मध्य मतभेद तथा तनाव भी उत्पन्न होगा परन्तु यह क्षणिक होगा एवa गंभीर नहीं होगा। साथ ही nidhi सास को अपने माता के समान

सेवा तथा सम्मान प्रदान करेंगी।

अपने विनम्र स्वभाव सामंजस्य की प्रवृति तथा सेवा भाव के कारण ससुर की प्रसन्नता एवa सन्तुष्टि अर्जित करने मेa समर्थ रहेंगी। लेकिन देवर एवa ननदोa से संबधोa मेa तनाव रहेगा तथा आपस मेa आलोचना तथा प्रतिद्वन्दिता का भाव विद्यमान रहेगा परन्तु यदि nidhi किंचित धैर्य एवa सामंजस्य से कार्य ले तो इनसे संबधोa मेa मधुरता उत्पन्न हो सकती है तथा वे भी nidhi को यथोचित सम्मान एवa सहयोग प्रदान करेंगे।

इस प्रकार सास ससुर का दृष्टि कोण nidhi के प्रति सामान्यतया अच्छा रहेगा एवa परिवार के सदस्य के रूप मेa वे उसे स्वीकार करेंगे ।

ससुराल-श्री

a की सास से संबधोa मेa मधुरता बनी रहेगी तथा आपसी सामंजस्य के कारण एक दूसरे के प्रति स्नेह तथा सम्मान का भाव रहेगा तथापि यदा कदा संबधोa मेa औपचारिकता के भाव का भी समावेश रहेगा। उनके मध्य मतभेदोa की न्यूनता रहेगी। अतः समय समय पर a सपत्नीक ससुराल के लोगोa से मिलने जाया करेंगे।

लेकिन a ससुर के साथ मधुर संबधोa मेa नित्य वृद्धि करने मेa समर्थ रहेंगे तथा आपसी सामंजस्य एवa बुद्धिमता से इनके मध्य अपनत्व का भाव बना रहेगा तथा समय समय पर उनसे इन्हेa उपयोगी सलाह भी मिलती रहेगी। इसके अतिरिक्त साले एवa सालियोa से भी मित्रतापूर्ण संबध रहेंगे तथा उनसे यथोचित सम्मान सहयोग एवa स्नेह की प्राप्ति होगी। इस प्रकार ससुराल के लोगोa का a के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रहेगा तथा सास को छोड़कर अन्य लोगोa से अनौपचारिक संबध रहेंगे। फलतः वे इनका पूर्ण सम्मान करेंगे तथा अपना वांछित सहयोग समय समय पर प्रदान करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगे।